Pktimesnews.com pktimes-k1y thepktimesofficial pk_timesofficial

रविवार - 08 मार्च 2026

दैनिक लोक टुडे

जनता की आवाज

विश्वसनीय खबरों का सर्वश्रेष्ठ अखबार

www.loktodaynews.com

वर्ष -13 अंक -01 पेज - 04 प्रात कालीन हिंदी

मूल्य -01 रूपए RNI NO. RAJHN / 2013 / 50694

महिला दिवस स्पेशल : भजनलाल ने दी महिलाओं को नई ताकत

राज सखी स्टोर्स,रुरल विमेन बीपीओ जैसे नवाचारों से आधी आबादी होगी और अधिक सशक्त

नीरज मेहरा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने दो साल के कार्यकाल में अपनी अलग ही पहचान बनाई है। सरल स्वभाव के भजनलाल शर्मा में लोगों को अपना सा यानी की आम आदमी का मुख्यमंत्री नजर आता है। इसलिए वे जहां भी जाते है आम जनता के बीच उनकी चर्चा जरुर होती है। अपने शासन काल में उन्होंने हर वर्ग का ख्याल रखने का प्रयास किया है। वार- त्यौहार पर मुख्यमंत्री आवास के दरवाजे आम आदमी के लिए खुलने लग गए। जिसमें होली-दीवाली पर लोगों के साथ मिलकर पर्व मनाने से उनकी छवि और दमदार बनी है। महिला सशक्तिकरण के लिए भी भजनलाल शर्मा को याद किया जाने लगा है। हाल ही में राज्य सरकार के निर्णयों से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे आने वाले समय में सरकार की योजनाओं से और सशक्त बनेगी।

महिला दिवस पर आपको बता रहे हैं कि राजस्थान सरकार ने राज्य की महिलाओं के सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर बनाने के लिए क्या - क्या काम किये है, जिससे महिलाएं खुशहाल और आत्मनिर्भर बन सके।

5 हजार महिलाएं बनेंगी 'बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट' सखी

भजनलाल सरकार महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में सभी संभागीय मुख्यालयों पर 'राज सखी स्टोर्स' स्थापित किए जाएंगे, जिससे राजीविका से जुड़ी महिलाओं को उद्यम को सफल बनाने के लिए आवश्यक क्षमता संवर्द्धन मिल सके। इस हेतु सभी जिलों में चरणबद्ध रूप से सेंटर फोर एंटरप्रेन्योरशिप एण्ड कैपिसिटी बिल्डिंग स्थापित किये जायेंगे। मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना के तहत लोन की सीमा 50 लाख से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान भी किया गया है। वहीं, स्वयं सहायता समूह की लगभग 5 हजार महिलाओं को प्रशिक्षित कर 'बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट' सखी बनाया जायेगा।

11 हजार अमृत पोषण वाटिकाओं का होगा निर्माण

राज्य सरकार द्वारा महिला स्वयं सहायता समूह की आजीविका संवर्द्धन के लिए 11 हजार अमृत पोषण वाटिकाओं का निर्माण किया जाएगा, जिससे आंगनबाड़ी केन्द्रों व स्कूलों में मिड-डे-मील के लिए सीनीय स्तर पर फल, सब्जी भी उपलब्ध हो सकेंगे। राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए भी अर्ली चाइल्डहुड केयर एण्ड एजुकेशन कोर्स करवाया जाएगा। साथ ही, प्रदेश की एक हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रतिष्ठित संस्थानों से विशिष्ट प्रशिक्षण दिलवाया जायेगा।

50 नवीन एंटरप्राइजेज होंगे शुरू, वित्तीय साक्षरता के लिए सक्षम सेंटर्स

राजीविका के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक नवाचार किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा इस वर्ष की बजटीय घोषणा के तहत राजीविका के अन्तर्गत संगठित 100 क्लस्टर लेवल फेडरेशन के कार्यालय एवं अन्य उपयोग के लिए भवन उपलब्ध करवाये जायेंगे। साथ ही, इन कार्यालयों में डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता के लिए 'सक्षम सेंटर' भी शुरू किए जाएंगे। स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाये गये उत्पादों की बेहतर ब्रांडिंग, डिजाइनिंग एवं पैकेजिंग कर डेयरी, टैक्सटाइल, फुटवियर, मिलेट्स एवं मसाले इत्यादि से सम्बन्धित क्षेत्राों के 50 नवीन एंटरप्राइजेज स्थापित किये जायेंगे। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा इन उत्पादों की ब्रिक्री के लिए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों से समन्वय भी किया जाएगा।

कालिका पेट्रोलिंग यूनिट की संख्या अब 600

महिला सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। महिलाओं के विरूद्ध सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़, घरेलू हिंसा एवं अन्य अपराधों की रोकथाम के लिए कार्यरत कालिका पेट्रोलिंग यूनिट की संख्या को चरणबद्ध रूप से 500 से बढ़ाकर 600 किया जाएगा। वहीं, 100 पुलिस थानों में महिला बैरक विकसित किये जायेंगे। पर्यटकों की सुरक्षा व सहयोग के लिए पर्यटन सहायता बल कैडर का सु–ढ़ीकरण हेतु महिला सुरक्षाकर्मियों एवं गाइड्स की नियुक्ति की जायेगी।

16 लाख से अधिक महिलाएं बनी लखपति दीदी

राज्य सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण एवं वित्तीय समावेशन के तहत किए जा रहे प्रयासों से प्रदेशभर में 16 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बनी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक संबल देने एवं रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने के लिए 100 करोड़ रुपये का व्यय कर जिला स्तर पर रूरल विमेन बीपीओ स्थापित किये जायेंगे। साथ ही, मुख्यमंत्री लखपति दीदी लोन योजना के तहत लोन सीमा भी एक लाख रुपये से बढ़ाकर एक लाख 50 हजार रुपये करने का बजटीय प्रावधान किया गया है, जिससे महिला उद्यमिता को और अधिक प्रोत्साहन मिल सके।

'मुख्यमंत्री शिशु-वात्सल्य सदन' खोले जायेंगे

इस वर्ष के बजट में आकांक्षी जिले करौली, धौलपुर, बारां, जैसलमेर एवं सिरोही में संचालित 'किशोरी बालिका योजना' का विस्तार किया गया है। अब यह योजना राज्य के समस्त 27 आकांक्षी ब्लॉक्स में शुरू की जाएगी, जिससे 50 हजार से अधिक किशोरी बालिकाएं पूरक पोषाहार सेलाभान्वित हो सकेंगी। राजकीय कार्यालयों में कार्यालय समय में 6 माह से 6 वर्ष के बच्चों की देखभाल के लिए चरणबद्ध रूप से 'मुख्यमंत्री शिशु-वात्सल्य सदन' खोले जायेंगे।

राज सखी स्टोर से बदलेगी किस्मत

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उन्हें आर्थिक और सामाजिक –द्रष्टि से मजबूत करने तथा महिला सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष के बजट में भी रूरल विमेन बीपीओ, राज सखी स्टोर,अमृत पोषण वाटिकाओं का निर्माण, किशोरी बालिका योजना का विस्तार, मुख्यमंत्राी लखपति दीदी लोन योजना के अंतर्गत ण सीमा में वृद्धि सहित ऐसी अनेक घोषणाएं की गई हैं, जिससे आ ी आबादी सशक्त एवं आत्मनिर्भर बन सके। ये तमाम स्कीम ऐसी है जो मुख्यमत्री भजनलाल शर्मा के कार्यकाल में महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता के लिए काम कर रही है। महिलाएं सशक्त होगी तो इसका फायदा आदि आबादी के साथ घर- परिवार और समाज के साथ प्रदेश और राष्ट्र को मिलता है।

ट्रोलिंग की आग में जलती एक महिला की मुस्कान

एक चाय की थड़ी से निकली कहानी • जब एक महत्वाकांक्षी लड़की ने बताई आईएएस टीना डाबी दर्द भरी कहानी • जो समाज की कड़वी सच्चाई को उजागर करती है

पीके बृजवाल
जयपुर

जयपुर के गोपालपुरा इलाके में, जहां हर गली-नुक्कड़ पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं की भीड़ लगी रहती है, एक साधारण चाय की थड़ी ने हाल ही में एक गहन बहस का मंच बन गया। यह इलाका राजस्थान के दूर-दराज इलाकों से आए छात्रों का गढ़ है, जो सपनों को हकीकत बनाने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। लेकिन कुछ दिन पहले बाड़मेर में कॉलेज फीस बढ़ोतरी के खिलाफ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बैनर तले हुए विरोध प्रदर्शन ने यहां की हवा को गर्म कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने जिला कलेक्टर टीना डाबी को 'रील स्टार' कहकर सुर्खियां बटोरीं और पुलिस ने छात्रों को हिरासत में लिया जिसके बाद में बाड़मेर एसपी ने गलती मानकर उन्हें रिहा किया। मेरे ऑफिस के पास वाली उस थड़ी पर, जहां रोजाना दर्जनों छात्र-छात्राएं इकट्ठा होती हैं, उस दिन चर्चा का केंद्र यही घटना थी। कुछ लड़कियां भी शामिल थी और बातचीत में एक लड़की ने अपने एक दोस्त को भावुक होकर कहा यार, सच में मुझे टीना डाबी जैसी अधिकारी बनना है। जैसे ही मैंने ये सुना तो पीछे मुड़कर एक पत्रकार के तौर पर पूछा कि कुछ छात्राएं उन्हें 'रील स्टार' कह रही हैं, तो उसने टीना की जिंदगी की ऐसी परतें खोलीं कि मैं सोचने पर मजबूर हो गया। उसकी आंखों में चमक थी, लेकिन आवाज में दर्द भी फिर उसने कहा की टीना डाबी ने अपनी मेहनत और काबिलियत से यह मुकाम हासिल किया है। फिर भी, उन्हें आरक्षण के नाम पर ट्रोल किया जाता है। उनकी पहली शादी अपनी मर्जी से की तो हिंदू-मुस्लिम के नाम पर सवाल उठाए गए। तलाक हुआ तो न जाने क्या-क्या कहा गया। दूसरी शादी की तो फिर व्यक्तिगत हमले। अब बाड़मेर में कमान संभाल रही हैं, तो भी सवाल। एक महिला को कितना नीचा दिखाया जा रहा है और वो सहते-सहते थक चुकी हैं, उनके चेहरे की हंसी गायब हो गई है।

यह कहानी सिर्फ एक लड़की की नहीं, बल्कि उन लाखों महिलाओं की है जो सफलता के शिखर पर पहुंचकर भी समाज की संकीर्ण सोच का शिकार बनती हैं। टीना डाबी की जिंदगी एक प्रेरणा है, लेकिन उसमें छिपे दर्द को समझना जरूरी है। आइए, उनकी यात्रा की कुछ प्रमुख घटनाओं पर नजर डालें जो इस कहानी को और भावुक बनाती हैं।

आरक्षण की आग- UPSC टॉपर बनने का अपराध

2015 में, 22 साल की उम्र में टीना डाबी ने UPSC सिविल सर्विसेज परीक्षा में पहला स्थान हासिल किया और वो भी पहली कोशिश में। लेकिन खुशी की जगह ट्रोलिंग शुरू हो गई। अनुसूचित जाति कैटेगरी से होने के कारण उन्हें आरक्षण की वजह से टॉपर कहा गया। सोशल मीडिया पर हमले हुए और कई लोगो ने कहा की मेहनत से नहीं, कोटे से आई। क्या हम भूल गए कि उन्होंने जनरल कैटेगरी में भी टॉप-10 में जगह बनाई थी ? यह ट्रोलिंग न सिर्फ उनकी काबिलियत पर सवाल थी, बल्कि एक युवा महिला की मेहनत को खारिज करने का प्रयास।

प्यार की जंग- पहली शादी और 'लव जिहाद' का तमगा

2016 में टीना की मुलाकात साथी IAS अधिकारी अतर आमिर खान से हुई। दोनों ने 2018 में शादी की जो कम्युनल हार्मनी का प्रतीक बनी। लेकिन हिंदू महासभा ने इसे लव जिहाद करार दिया। सोशल मीडिया पर घृणा फैली और हिंदू लड़की मुस्लिम से शादी क्यों? शादी की तस्वीरें वायरल हुईं, लेकिन ट्रोल्स ने उन्हें निशाना बनाया। वाइस-प्रेसिडेंट एम वेंकैया नायडू जैसी हस्तियों ने शादी में शिरकत की, फिर भी हमले जारी रहे। यह शादी न सिर्फ प्यार की जीत थी, बल्कि समाज की बेडियों को तोड़ने की कोशिश लेकिन कीमत चुकानी पड़ी।

तलाक का दर्द-व्यक्तिगत जीवन पर सार्वजनिक हमला

2020 में, टीना और अतर आमिर ने आपसी सहमति से तलाक के लिए अर्जी दी जो 2021 में मंजूर हुई। लेकिन समाज ने इसे मौका बनाया। अफवाहें उड़ाई और कहा की इंटर-रिलिजन मैरिज नहीं चलती। टीना की इंस्टाग्राम बायो से 'खान' हटाने पर ट्रोलिंग बढ़ी। क्या हम भूल गए कि तलाक एक व्यक्तिगत फैसला है? एक महिला के लिए, जो पहले से ही सार्वजनिक जीवन में है, यह दर्द कितना गहरा होगा? उनकी आंखों में छिपा दुख, जो अब चेहरे पर दिखता है, शायद इसी से उपजा है।

नई शुरुआत, पुराने घाव, दूसरी शादी एवं फिर जिले की चुनौतियां

2022 में, टीना ने साथी IAS प्रदीप गावंडे से शादी की। फिर ट्रोल्स की कई साल बड़े हैं, क्या फायदा। वैसे टीना डाबी वर्तमान में बाड़मेर कलेक्टर के रूप में सेवाए दे रही है और वो हमेशा विकास कार्यों में लगी रहती हैं लेकिन 'रील स्टार' जैसे कमेंट्स ने फिर घाव उकेरे। प्रदर्शन में छात्राओं ने कहा, "आप रोल मॉडल नहीं, रील स्टार हैं - अहिल्या बाई और दुर्गावती हमारी रोल मॉडल हैं। क्या यह दर्द नहीं बढ़ाता ?

टीना डाबी अपनी दूसरी शादी के दौरान - एक नई शुरुआत, लेकिन ट्रोलिंग की छाया अभी भी साथ।

समाज से सवाल- कब रुकेगी यह ट्रोलिंग ?

टीना डाबी की कहानी हमें सोचने पर मजबूर करती है की एक महिला कितना सहन करे? उनकी सफलता - UPSC टॉपर से लेकर जिला कलेक्टर तक - लाखों लड़कियों को प्रेरित करती है, लेकिन ट्रोलिंग ने उनकी मुस्कान छीन ली। गोपालपुरा की उस लड़की की तरह, कई युवा उन्हें रोल मॉडल मानते हैं। लेकिन समाज कब समझेगा कि सफल महिलाओं को भी इंसान होने का हक है?

जल्द शुरु होगी रिफाइनरी...

मनोहर सिंह खोखर

बालोतरा जिले की पचपदरा में निर्माण धीन एशिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी अब मूल रूप लेती दिख है ! सरकार की ओर से राजस्थान रिफाइनरी इसी महीने पूरी क्षमता से उत्पादन शुरू होने की संभावना है । हालांकि जनवरी 2026 से रिफाइनिंग प्रक्रिया ट्रायल के तौर पर शुरू हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसका औपचारिक उद्घाटन जल्द ही प्रस्तावित है। यह 9 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष की क्षमता वाला ग्रीनफील्ड कॉम्प्लेक्स है, जो पेट्रोल-डीजल के साथ-साथ पेट्रोकेमिकल उत्पादों का भी निर्माण करेगा। वर्तमान में रिफाइनरी का ओवरऑल कार्य लगभग 90 फीसदी से ऊपर और प्रोसेसिंग यूनिट्स का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। उल्लेखनीय है कि रिफाइनरी का काम लगभग 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कार्य शुभारंभ किए जाने के बाद से लगातार जारी है। लगभग 12 साल पहले 2013 में इसकी आधारशिला रखी गई थी और अब 2026 तक इसका काम अंतिम चरण में है। 10 जनवरी 2026 को कच्चा तेल (Crude Oil) पहुंचने के बाद रिफाइनिंग शुरू हो गई है और अब जल्द ही पूरी क्षमता से उत्पादन शुरू हो सकता है।

मुख्य बिंदु -

1. समयरेखा कार्य 2013 में प्रस्तावित था, लेकिन निर्माण 2018 से गति में है, बीच में कोविड-19 के कारण देरी हुई।
2. स्थिति प्रोसेसिंग यूनिटों का 99 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।
3. लागत 2013 में 37 हजार करोड़ की लागत, 2024 तक बढ़कर 72 हजार करोड़ से ज्यादा हो गई है।
4. उत्पादन जनवरी 2026 में ट्रायल रन शुरू हो गया है, आगामी महीनों में पूर्ण उद्घाटन की उम्मीद है।
5. सुरक्षा और बुनियादी ढांचा हाई-सिक्योरिटी ज़ोन रिफाइनरी को अब एक 'हाई-सिक्योरिटी ज़ोन' घोषित कर दिया गया है। इसकी सुरक्षा की कमान CISF (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) ने संभाल रही है, जहाँ करीब 195 जवान तैनात किए गए हैं।
6. रेलवे कनेक्टिविटी रिफाइनरी को सीधे रेलवे नेटवर्क से जोड़ने के लिए बालोतरा-पचपदरा रेल ट्रैक बिछाने की तैयारी चल रही है, जो इसे डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFC) से जोड़ेगा।
7. ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे बेहतर लॉजिस्टिक के लिए जयपुर-पचपदरा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे को भी मंजूरी मिल चुकी है।
8. कच्चा तेल (Crude Oil) रिफाइनरी के लिए कच्चा तेल गुजरात के मुंद्रा टर्मिनल और बाड़मेर के मंगला टर्मिनल से पाइपलाइन के जरिए पहुँचना शुरू हो गया है।

रोजगार के मील का पत्थर - यह रिफाइनरी राजस्थान के औद्योगिक विकास और स्थानीय रोजगार के लिए मील का पत्थर साबित होगी। वैसे जब से रिफायनरी का निर्माण शुरू हुआ है तब से हजारों लोगो को रोजगार मिला है ! इसमें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों रूप से लोग जुड़ेंगे. उद्घाटन की तैयारियो में जुटा प्रशासन जब से कच्चा तेल पहुंचने की बाद रिफाइनरी का काम शुरू हुआ है तब से प्रशासन सजग हो गया है. प्रशासन का कहना है कि कभी भी सरकार की और से उसके उद्घाटन की तारीख का एलान किया जा सकता है इसमें प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड़ पर है

PKTIMESNEWS.COM pktimes-k1y thepktimesofficial pk_timesofficial

PK टाइम्स

रविवार - 08 मार्च 2026

दैनिक लोक टुडे

4

www.loktodaynews.com

बाड़मेर। बाड़मेर में हाल ही में सामने आए मामले वाकई चिंताजनक हैं, जहाँ रेगिस्तान के धोरों और सुनसान इलाकों में अवैध ड्रग फैक्ट्रियों का जाल बिछा हुआ पाया गया है। यहाँ नशे की समस्या अब केवल तस्करी तक सीमित नहीं रही, बल्कि यहाँ सिंथेटिक ड्रग्स एमडी बनाने वाली गुप्त फैक्ट्रियों का एक बड़ा नेटवर्क सामने आया है। पिछले 7 महीनों में पुलिस ने करीब 7-8 अवैध फैक्ट्रियों को ध्वस्त किया है। पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की हालिया कार्रवाईयों ने एक बार तो तस्करो की नींद उड़ाने के साथ काफी हद तक अंकुश लगाने का काम किया है लेकिन अब जरुरत है कि इसमें पुलिस के साथ आमजन भी अपनी भूमिका निभाए।

18 माह में 8 ड्रग्स फैक्ट्री पकड़ी-

- 23 फरवरी 2026 बावड़ी कल्ला (चौहटन) में 200 लीटर से ज्यादा कैमिकल और मशीनरी बरामद, एक गिरफ्तार
- 22 फरवरी 2026 को सिंहार सेड़वा मुर्गी फार्म की आड़ एमडी फैक्ट्री, में 4.73 किलो एमडी निर्मित, करीब 8.50 करोड़ रुपए की एमडी और कच्चा माल पकड़ा, एक गिरफ्तार।
- 21 फरवरी 2026 सेड़वा खेत में बने कमरे में चल रही फैक्ट्री का भंडाफोड़। 3 किलो तैयार एमडी और भारी मात्रा में कैमिकल बरामद किया।
- 5 फरवरी 2026 भैरुड़ी सेड़वा, भारत-पाक बॉर्डर के पास सुनसान धोरों मे छपपर बनाकर चल रही फैक्ट्री।
- 16 फरवरी 2026 खरड़ धोरीमन्ना एक घर से 187 किलो संदिग्ध कैमिकल, उपकरण बरामद किए जो एमडी बनाने के लिए लाए गए थे।
- 19 दिसम्बर 2025 केरली गांव में 80 करोड़ की ड्रग पकड़ी थी
- 22 जुलाई 2025 को धोलकिया की ढाणी से करोड़ की ड्रग पकड़ी थी
- 10 सितम्बर 2024 को खारा राठौड़ान में सुनसान जगह पर ड्रग और मशीनें जब्त की

सुनसान इलाकों में फैक्ट्रियां:

तस्करों ने सेड़वा और चौहटन जैसे सीमावर्ती इलाकों के रेतीले धोरों और खेतों के बीच अस्थायी शेड बनाकर हाई-टेक लैब स्थापित की थीं।

अजीबोगरीब उपकरण:

हाल ही में सिंहार गांव में हुई छापेमारी में यह पाया गया कि तस्कर छाछ बनाने वाली मशीन का उपयोग देसी तरीके एमडी ड्रग्स तैयार करने के लिए कर रहे थे।

अंतर्राज्यीय सिंडिकेट का जाल:

यह केवल स्थानीय समस्या नहीं है; यहाँ बना माल गुजरात और महाराष्ट्र के रास्ते मुंबई और दिल्ली जैसे बड़े शहरों तक सप्लाई किया जा रहा था। बाड़मेर में बना नशा केवल स्थानीय स्तर पर ही नहीं, बल्कि बड़े शहरों तक फैला हुआ है

बाहरी राज्यों के एक्सपर्ट:

जुलाई 2025 में हुए एक खुलासे के अनुसार, इन फैक्ट्रियों में ओडिशा के केमिकल एक्सपर्ट और मुंबई के मशीनरी सप्लायर जुड़े हुए थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशन, संपादक - नीरज मेहरा द्वारा बोलज ग्राफिक्स, लक्ष्मी नगर, हटवाड़ा मार्ग, अजमेर रोड, जयपुर - 302006 से मुद्रित एवं 141, दयानन्द नगर, फेज प्रथम झालाना डूंगरी माली नंबर 19, थाना गाँधी नगर, जयपुर (राज.) प्रकाशित प्रभारी संपादक- पी.के. बृजवाल, 9950325930 ,9829708129 (कानूनी सलाहकार एडवोकेट कैलाशनाथ भट्ट)